

साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको जीवनी, व्यक्तित्व  
र  
कृतित्वको अध्ययन

त्रिभुवन विश्वविद्यालय  
मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस,  
नेपाली विभाग अन्तर्गत स्नातकोत्तर तह (एम.ए.)  
द्वितीय वर्षको दसौँ पत्रको  
प्रयोजनको लागि  
प्रस्तुत

शोधपत्र

शोधार्थी

उषा अर्याल

त्रि.वि.दर्ता नं. ६-२-३८६-२४-२००३

शैक्षिक सत्र : २०६३-६५

नेपाली विभाग

वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस

भरतपुर, चितवन

२०६८

# त्रिभुवन विश्वविद्यालय

मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय अन्तर्गत  
वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस, नेपाली विभाग  
भरतपुर, चितवन

## स्वीकृति पत्र

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिक शास्त्र सङ्काय वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस भरतपुर, चितवनका विद्यार्थी उषा अर्यालले नेपाली स्नातकोत्तर तह (एम.ए.) दसौँ पत्रको प्रयोजनका निम्ति प्रस्तुत गरेको साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्वको अध्ययन शीर्षकको शोधपत्र स्वीकृत गरिएको छ ।

प्रा. डा. नारायणप्रसाद खनाल  
विभागीय प्रमुख

.....  
हस्ताक्षर

दीननाथ शर्मा पण्डित

.....  
उपप्राध्यापक तथा शोधनिर्देशक

हस्ताक्षर

गोविन्दराज विनोदी  
बाह्य परीक्षक

.....  
हस्ताक्षर

मिति :- २०६८।०९।०२

## शोध-निर्देशकको मन्तव्य

त्रिभुवन विश्वविद्यालय मानविकी तथा सामाजिकशास्त्र सङ्कायअन्तर्गत वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस नेपाली विभाग, स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्षकी छात्रा उषा अर्यालले साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्वको अध्ययन शीर्षकको यो शोधपत्र नेपाली विषयको स्नातकोत्तर तह (एम.ए.) दसौं पत्रको पाठ्यांश परिपूर्तिको प्रयोजनका लागि मेरो निर्देशनमा तयार पार्नुभएको हो । निकै मेहनतपूर्वक तयार पारिएको यस शोधपत्रबाट म पूर्ण सन्तुष्ट छु । अतः म यसको आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि सम्बन्धित विभागसमक्ष सिफारिस गर्दछु ।

मिति : २०६८/०८/१६

.....  
(दीननाथ शर्मा पण्डित)  
उप-प्राध्यापक  
नेपाली विभाग  
वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस  
भरतपुर, चितवन

## कृतज्ञता-ज्ञापन

साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्वको अध्ययन शीर्षकको प्रस्तुत शोधपत्र मैले त्रिभुवन विश्वविद्यालय, वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस, भरतपुरको नेपाली विभागको स्नातकोत्तर तह दोस्रो वर्ष दसौं पत्रको प्रयोजनको लागि तयार पारेकी हुँ । प्रथमतः प्रस्तुत शोधपत्र तयार पार्ने क्रममा आ[ ]नो अमूल्य समय दिई लिखित सामग्रीलाई तत्काल हेरेर उचित सल्लाह, सुझाव र निर्देशन दिनुहुने शोध-निर्देशक आदरणीय गुरु उप-प्रा. दीननाथ शर्मा पण्डितप्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्दछु ।

प्रस्तुत शीर्षक अनुसन्धान गर्न स्वीकृति प्रदान गर्ने वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पसको, नेपाली विभाग तथा विभागीय प्रमुख आदरणीय गुरु प्रा.डा.नारायणप्रसाद खनालप्रति हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्दछु । प्रस्तुत शीर्षकमा अनुसन्धान गर्ने कार्यमा प्रेरणा प्रदान गर्नुहुने आदरणीय गुरुहरू सह-प्रा. पूर्ण अधिकारी, सह-प्रा. कपिल अज्ञात तथा साहित्यकार डि.आर.पोखेलप्रति म हार्दिक कृतज्ञता प्रकट गर्न चाहन्छु । अनुसन्धानकै क्रममा आवश्यक सामग्री जुटाउन तथा सोधपुछका लागि आ[ ]नो व्यस्त समय दिएर सहयोग गर्नुहुने शोधनायक रणेन्द्र बराली र उहाँकी धर्मपत्नी श्रीमती दिनु विश्वकर्मा एवम् जेठा छोरा प्रबिन्द्र बरालीप्रति म कृतज्ञ छु ।

प्रस्तुत शोधपत्र तयार पार्ने क्रममा हरसमय साथ दिने मेरा पति श्री सुदीप वाग्ले तथा सम्पूर्ण परिवारजनप्रति हार्दिक आभार प्रकट गर्नु म आ[ ]नो कर्तव्य ठान्दछु ।

श्रद्धेय गुरुवर्ग, मान्यजन तथा मित्रहरूका सहयोगले आज यो शोधपत्रले पूर्णता प्राप्त गरेकाले यस घडीसम्म प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगी, शुभेच्छुकहरूप्रति कृतज्ञता ज्ञापन गर्न चाहन्छु । साथै शोधपत्र यथासम्भव शुद्ध एवम् छिटो टड्कण गरिदिनु हुने श्रीदीप वाग्लेलाई विशेष धन्यवाद दिन चाहन्छु ।

अन्त्यमा साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको जीवनी, व्यक्तित्व र कृतित्वको अध्ययन शीर्षकको यो शोधपत्र आवश्यक मूल्याङ्कनका लागि नेपाली विभाग, वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस, भरतपुरसमक्ष प्रस्तुत गर्दछु ।

मिति : २०६८/०८/१६

.....  
उषा अर्याल

त्रि.वि.दर्ता नं. ६-२-३८६-२४-२००३

शैक्षिक सत्र : २०६३-६५

नेपाली विभाग

वीरेन्द्र बहुमुखी क्याम्पस

भरतपुर, चितवन

## सङ्क्षेपीकृत शब्दहरू

प्रस्तुत शोधपत्रमा प्रयोग गरिएका सङ्क्षेपीकृत शब्दहरू यसप्रकार छन् :

|            |                                     |
|------------|-------------------------------------|
| अ.ने.सा.स. | अन्तर्राष्ट्रिय नेपाली साहित्य समाज |
| इ.सं.      | इस्वी संवत्                         |
| ऐ.ने.क.पा. | एकीकृत नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी      |
| डा.        | डाक्टर                              |
| जि.प्र.का. | जिल्ला प्रशासन कार्यालय             |
| त्रि.वि.   | त्रिभुवन विश्वविद्यालय              |
| ने.क.पा.   | नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी             |
| ने.वि.सं.  | नेपाल विद्यार्थी सङ्घ               |
| पृ.        | पृष्ठ                               |
| प्रा.      | प्राध्यापक                          |
| वि.क.      | विश्वकर्मा                          |
| वि.पि.     | विश्वेश्वर प्रसाद                   |
| वि.सं.     | विक्रम संवत्                        |
| सम्पा.     | सम्पादक                             |
| से.मि.     | सेन्टीमिटर                          |

विषय-सूची  
परिच्छेद : एक  
शोधपत्रको परिचय

|                                  |     |
|----------------------------------|-----|
| १. शोधपत्रको परिचय               | १-८ |
| १.१ शोधशीर्षक                    | १   |
| १.२ शोधपरिचय                     | १   |
| १.३ शोधसमस्या                    | २   |
| १.४ शोधकार्यको उद्देश्य          | २   |
| १.५ पूर्वकार्यको विवरण र समीक्षा | २   |
| १.६ शोधको औचित्य र महत्त्व       | ५   |
| १.७ शोधकार्यको क्षेत्र र सीमा    | ६   |
| १.८ सामग्री सङ्कलन र शोधविधि     | ६   |
| १.९ शोधपत्रको रूपरेखा            | ६   |

परिच्छेद : दुई  
रणेन्द्र बरालीको जीवनी

|                                       |      |
|---------------------------------------|------|
| २. रणेन्द्र बरालीको जीवनी             | ९-१८ |
| २.१ पृष्ठभूमि                         | ९    |
| २.२ जन्म                              | ९    |
| २.३ बाल्यकाल र शिक्षादीक्षा           | १०   |
| २.४ विवाह र सन्तान                    | ११   |
| २.५ आर्थिक अवस्था र पेसा              | १२   |
| २.६ कार्यक्षेत्र प्रवेश र निरन्तरता   | १३   |
| २.७ वैयक्तिक जीवनका विशेष घटनासन्दर्भ | १४   |
| २.८ चिन्तन, दर्शन र विचार             | १६   |
| २.९ पुरस्कार, प्रशंसा र सम्मान        | १७   |
| २.१० सारांश                           | १७   |

परिच्छेद : तीन  
साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको व्यक्तित्व

|   |       |
|---|-------|
| ३. साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको व्यक्तित्व | १९-२६ |
| ३.१ पृष्ठभूमि                             | १९    |
| ३.२ बाय व्यक्तित्व र स्वभाव               | १९    |
| ३.३ विशेष अभिरुचि र विशेषता               | २०    |
| ३.४ आन्तरिक व्यक्तित्व                    | २०    |
| ३.४.१ साहित्यिक व्यक्तित्व                | २१    |

|                               |    |
|-------------------------------|----|
| क) नाटककार व्यक्तित्व         | २१ |
| ख) उपन्यासकार व्यक्तित्व      | २२ |
| ग) नियात्राकार व्यक्तित्व     | २३ |
| घ) कथाकार व्यक्तित्व          | २३ |
| ङ) निबन्धकार व्यक्तित्व       | २४ |
| च) अनुसन्धाता व्यक्तित्व      | २४ |
| ३.४.२ साहित्येत्तर व्यक्तित्व | २५ |
| क) सामाजिक व्यक्तित्व         | २५ |
| ख) राजनितिक व्यक्तित्व        |    |
| ३.५ सारांश                    | २६ |

## परिच्छेद : चार साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको कृतित्व

|  |        |
|--|--------|
| ४. साहित्यकार रणेन्द्र बरालीको कृतित्व                           | २८-१११ |
| ४.१ नेपाली साहित्यमा रणेन्द्र बरालीको आगमन र उनको साहित्य यात्रा | २८     |
| ४.१.१ नेपाली साहित्यमा रणेन्द्र बरालीको आगमन                     | २८     |
| ४.१.२ साहित्य सृजनाका लागि प्रेरणा र प्रभाव                      | २८     |
| ४.१.३ लेखनको प्रारम्भ र प्रकाशनको थालनी विकासक्रम                | २९     |
| क) प्रथम चरण वि.सं. २०४२-२०५५ सम्म                               | ३०     |
| ख) द्वितीय चरण वि.सं. २०५६-हालसम्म                               | ३१     |
| ४.२ रणेन्द्र बरालीको साहित्यिक प्रवृत्तिहरू                      | ३२     |
| ४.३ रणेन्द्र बरालीको पुस्तकाकार कृतिहरूको अध्ययन                 | ३४     |
| ४.४ उपन्यासको अध्ययन   | ३४     |
| ४.४.१ उपन्यासको परिचय  | ३४     |
| ४.४.२ उपन्यासको परिभाषा  | ३५     |
| ४.४.३ आधुनिक नेपाली उपन्यासको विकासक्रम                          | ३५     |
| क) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी धारा                                   | ३६     |
| ख) स्वच्छन्दतावादी धारा  | ३६     |
| ग) सामाजिक यथार्थवादी धारा                                       | ३७     |
| घ) आलोचनात्मक यथार्थवादी धारा                                    | ३७     |
| ङ) मनोविश्लेषणवादी धारा  | ३७     |
| च) विसंगतिवादी धारा  | ३८     |
| छ) अस्तित्ववादी धारा   | ३८     |
| ज) प्रगतिवादी धारा   | ३८     |
| झ) प्रयोगवादी धारा   | ३९     |
| ४.४.४ उपन्यासका तत्त्वहरू  | ३९     |
| क) कथानक   | ४०     |
| ख) पात्र एवं चरित्रचित्रण  | ४०     |
| ग) कथोकपन/संवाद  | ४१     |
| घ) परिवेश  | ४१     |

|  |    |
|--|----|
| ड) उद्देश्य  | ४२ |
| च) दृष्टिबिन्दु  | ४२ |
| छ) भाषाशैली  | ४२ |
| ज) प्रतीक बिम्ब  | ४३ |
| ४.४.५ नेपाली उपन्यास परम्परा र उपन्यासकार रणेन्द्र बराली | ४३ |
| ४.४.६ इतिहासको एक पैका उपन्यास(२०६६)को अध्ययन            | ४४ |
| ४.४.६.१ कथानक  | ४५ |
| ४.४.६.२ पात्रविधान                                       | ५७ |
| ४.४.६.३ परिवेश   | ६१ |
| ४.४.६.४ कथोकपन/संवाद                                     | ६३ |
| ४.४.६.५ उद्देश्य   | ६४ |
| ४.४.६.६ दृष्टिबिन्दु                                     | ६५ |
| ४.४.६.७ भाषाशैली   | ६६ |
| ४.४.६.८ प्रतीक र बिम्ब                                   | ६७ |
| ४.४.६.९ संरचना   | ६७ |
| ४.४.६.१० निष्कर्ष  | ६८ |
| ४.५ नाटककार रणेन्द्र बरालीको 'आफ्नै व्यथा' नाटकको अध्ययन | ७० |
| ४.५.१ नेपाली नाट्य परम्परा र नाटककार बराली               | ७० |
| ४.५.२ नाटकका आधारभूत तत्त्वहरू                           | ७२ |
| ४.५.२.१ नाटक विश्लेषणका आधारहरू                          | ७२ |
| ४.५.२.२ नाटकीय तत्त्वहरू                                 | ७२ |
| क) लेखन, मञ्चन र प्रकाशन                                 | ७२ |
| ख) शीर्षक विधान  | ७३ |
| ग) दृश्य विधान   | ७३ |
| घ) वस्तु विन्यास ( कथावस्तु )                            | ७३ |
| ड) चरित्रचित्रण  | ७४ |
| च) द्वन्द्वविधान   | ७४ |
| छ) संवाद योजना   | ७५ |
| ज) पर्यावरण/परिवेश                                       | ७५ |
| झ) अभिनेयता  | ७५ |
| ञ) शैली शिल्प  | ७६ |
| ट) जीवनदर्शन र उद्देश्य                                  | ७६ |
| ४.५.३ 'आफ्नै व्यथा' नाटकको विवेचना                       | ७७ |
| ४.५.३.१ लेखन, मञ्चन र प्रकाशन                            | ७७ |
| ४.५.३.२ शीर्षक विधान                                     | ७७ |
| ४.५.३.३ दृश्य विधान                                      | ७७ |
| ४.५.३.४ वस्तु विन्यास (कथावस्तु)                         | ७८ |
| ४.५.३.५ चरित्रचित्रण                                     | ८२ |
| क) प्रमुख पात्र  | ८२ |
| ख) प्रमुख सहायक पात्र                                    | ८३ |
| ग) सहायक पात्रहरू  | ८३ |
| घ) गौण पात्रहरू  | ८४ |

|  |     |
|--|-----|
| ४.५.३.६ द्वन्द्वविधान  | ८७  |
| ४.५.३.७ संवाद योजना  | ८८  |
| ४.५.३.८ पर्यावरण/परिवेश  | ८९  |
| ४.५.३.९ अभिनेयता   | ८९  |
| ४.५.३.१० शैली शिल्प  | ९०  |
| ४.५.३.११ जीवनदर्शन र उद्देश्य  | ९०  |
| ४.५.३.१२ उपसंहार   | ९१  |
| ४.६ रणेन्द्र बरालीका निबन्धात्मक कृतिहरूको अध्ययन  | ९२  |
| ४.६.१ रणेन्द्र बरालीको 'चीनको कोसेली' (यात्रा संस्मरण) को अध्ययन   | ९३  |
| ४.६.१.१ यात्रा साहित्यको परिचय   | ९३  |
| ४.६.१.२ 'चीनको कोसेली' को विश्लेषण   | ९४  |
| क) संरचना  | ९४  |
| ख) विषय-भाव-विचार  | ९५  |
| ग) दृष्टिबिन्दु  | ९६  |
| घ) प्रयोजन उद्देश्य  | ९७  |
| ड) भाषाशैली  | ९७  |
| च) निष्कर्ष  | ९९  |
| ४.६.२ सर्वजित विश्वकर्माको जीवनी (२०६३) को अध्ययन  | १०१ |
| ४.६.२.१ जीवनीको परिचय र परिभाषा  | १०१ |
| ४.६.२.२ जीवनीका आधारभूत तत्त्वहरू  | १०२ |
| क) विषयवस्तु   | १०२ |
| ख) पात्र   | १०३ |
| ग) परिवेश  | १०३ |
| घ) जीवनदृष्टि  | १०३ |
| ड) भाषाशैली  | १०३ |
| ४.६.२.३ कृति परिचय   | १०४ |
| ४.६.२.४ 'सर्वजित विश्वकर्माको जीवनी' को विश्लेषण   | १०४ |
| ४.६.२.४.१ विषयवस्तु  | १०४ |
| ४.६.२.४.२ पात्र  | १०६ |
| ४.६.२.४.३ परिवेश   | १०७ |
| ४.६.२.४.४ जीवनदृष्टि   | १०८ |
| ४.६.२.४.५ भाषाशैली   | १०८ |
| ४.६.२.४.६ निष्कर्ष   | १०९ |
| ४.७ रणेन्द्र बरालीको साहित्येतर कृति 'नेपालमा अछूत जातीय सङ्घर्ष'<br>(केही योद्धाहरूको परिचय) को सङ्क्षिप्त विश्लेषण | ११० |
| ४.७.१ पृष्ठभूमि  | १११ |
| ४.७.२ भगत सर्वजित विश्वकर्मा   | ११२ |
| ४.७.३ लाले तिम्रो सम्झनामा   | ११२ |
| ४.७.४ गंगाबहादुर परियार  | ११३ |
| ४.७.५ सङ्घर्षको परिणाम   | ११३ |
| ४.७.६ दबिल्ला सङ्घर्ष  | ११३ |

परिच्छेद : पाँच  
उपसंहार

|  |         |
|--|---------|
| ५. उपसंहार                                       | ११५-११९ |
| ५.१ परिच्छेद एकको सारांश                         | ११५     |
| ५.२ परिच्छेद दुईको सारांश                        | ११५     |
| ५.३ परिच्छेद तीनको सारांश                        | ११६     |
| ५.४ परिच्छेद चारको सारांश                        | ११६     |
| ५.५ समग्र निष्कर्ष                               | ११७     |
| सन्दर्भसूची                                      | १२०-१२३ |
| परिशिष्ट खण्ड                                    | १२४-१३३ |
| क) रणेन्द्र बरालीसँग लिइएको लिखित अन्तर्वार्ता   | १२४-१३० |
| ख) रणेन्द्र बरालीले प्राप्त गरेका सम्मान-पत्रहरू | १३१-१३३ |